भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3468

सोमवार, 11 अगस्त, 2025/20 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के अंतर्गत एस.डी.एस.

†3468. श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्री चिन्तामणि महाराज:
श्री भोजराज नाग:
श्री मुकेश राजपूत:
श्री पी. पी. चौधरी:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
डॉ. राजेश मिश्रा:
श्री छत्रपाल सिंह गंगवार:
श्री गोडम नागेश:
श्री नव चरण माझी:
श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के भाग के रूप में स्वदेश दर्शन योजना की वर्तमान स्थिति, इसके उद्देश्य और कार्यान्वयन प्रगति क्या है;

(ख) इस योजना के अंतर्गत शहडोल, सीधी, पाली और कंधमाल लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार निर्मित/नवीनीकृत होमस्टे की जिलावार कुल संख्या कितनी है;

(ग) योजना की शुरुआत से अब तक उक्त निर्वाचन क्षेत्रों सहित देशभर में इन होमस्टे सुविधाओं का लाभ उठाने वाले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों, जैसे अल्लूरी सीताराम राजू या पार्वतीपुरम मान्यम जिलों में कोई होमस्टे विकसित किया गया है, और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वहां पर्यटकों की संख्या जिलावार कितनी दर्ज की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय ने जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएम-जेयूजीए) के तहत, 'जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे के विकास' हेतु प्रस्ताव तैयार करने के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को टेम्पलेट सहित दिशानिर्देश जारी किए हैं।

इस पहल का उद्देश्य जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन के संवर्धन और जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर बढ़ाने हेतु जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे विकसित करना है। उक्त दिशानिर्देश होमस्टे मालिकों के तकनीकी कौशल विकास और प्रशिक्षण पर भी बल देते हैं।

इस योजना के तहत अभी तक कोई धनराशि जारी नहीं की गई है।

*****